मानविकी विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

सत्रीय कार्य

वैदिक कर्मकाण्ड में प्रमाण पत्र (CVK-14)

जमा करने की अन्तिम तिथि – 15 जनवरी 2015

कोर्स शीर्षक - कर्मकाण्ड एवं पंचांग कर्म परिचय | **कोर्स कोड – CVK - 01**

शैक्षिक सत्र - 2014 – 15 | **अधिकतम अंक – 40**

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्हीं चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' में 4 प्रश्न दिये गये हैं। जिनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड – 'क'

1. नित्यकर्म से आप क्या समझते है ? स्पष्ट कीजिये।
2. सन्ध्या किस प्रकार किया जाता है ? समन्त्र उल्लेख कीजिये।
3. पृथ्वी, लक्ष्मी एवं सूर्य स्मरित श्लोक अर्थसहित लिखिये।
4. पंचमहायज्ञ कौन – कौन से है ? लिखिये।
5. कलश स्थापन का महत्व समझाइये।
6. पूजन करने का संकल्प लिखिये ।
7. पंचांग को परिभाषित करते हुये संक्षिप्त वर्णन कीजिये।
8. वेद क्या है ? समझाइये।

खण्ड - 'ख'

1. गणेश पूजन का पंचोपचार विधि लिखिये।
2. पूजन में नवग्रह का क्या महत्व है ? स्पष्ट कीजिये ।
3. भूमि पूजन का समन्त्र उल्लेख कीजिये।
4. कर्मकाण्ड पर टिप्पणी लिखिये ।